करफ्राइटाग (शुभ शुक्रवार) क्या है? और इसे ‘करफ्राइटाग’
क्यों कहा जाता है?

करफ्राइटाग यीशु मसीह के पृथ्वी पर जीवन का अंतिम शुक्रवार है। इस दिन उन्होंने बड़ा कष्ट सहा, क्रूस पर चढ़ाए गए, मृत्यु पाई और दफनाए गए। पूरी दुनिया के ईसाई हर साल इस दिन हमारे प्रभु यीशु मसीह के कष्ट और बलिदान को याद करते हैं। यह दिन क्रूस के भारी महत्व पर ध्यान देने का गंभीर दिन है, लेकिन साथ ही यह विश्वासियों के लिए बड़ी आशा का दिन भी है।

इस दिन को ‘करफ्राइटाग’ क्यों कहा जाता है?
लोग अक्सर पूछते हैं: इसे ‘करफ्राइटाग’ क्यों कहा जाता है न कि ‘दुखद शुक्रवार’ या ‘शोक दिवस’? आखिरकार यह दिन अंधकार, दुःख और गहरे दर्द से भरा था, क्योंकि हमारे उद्धारकर्ता यीशु को अस्वीकार किया गया, यातनाएं दी गईं और मारा गया।

मानव दृष्टि से करफ्राइटाग का दिन दुखद और पीड़ा भरा लगता है। लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से यह दिन मानवता के लिए बड़ी खुशी का दिन है। इसी दिन यीशु के बलिदान से हमारे पापों की क्षमा हुई जो कि आदम-हवा के बाग़ (एडेन) में पाप के आने के बाद असंभव था। यदि यीशु हमारे पापों के लिए नहीं मरे होते, तो हमारी मुक्ति का कोई रास्ता नहीं होता। उनका मृत्यु हमें उद्धार लेकर आई, और इसलिए हम आनंदित हो सकते हैं। लगभग 2000 साल पहले यीशु का बलिदान हमें पाप और मृत्यु की शक्ति से मुक्त कर गया। इसलिए यह बिलकुल सही है कि इसे ‘करफ्राइटाग’ कहा जाए, क्योंकि यह हमारे उद्धार की शुरुआत है।

करफ्राइटाग (शुभ शुक्रवार) क्या है? और इसे ‘करफ्राइटाग’
क्यों कहा जाता है?

मसीही विश्वास में क्रूस का महत्व
करफ्राइटाग का महत्व यीशु के क्रूस पर बलिदान में है। उनका मृत्यु केवल दुःख नहीं था, बल्कि वह मार्ग था जिससे मनुष्य ईश्वर के साथ मेल पाया। जैसा कि प्रेरित पौलुस रोमियों 5:8 (ERV-HI) में लिखते हैं:

“परन्तु परमेश्वर अपनी प्रेमता हम पर इस प्रकार दिखलाता है
कि जब हम अभी पापी थे, तब मसीह हमारे लिए मर गया।”

यीशु की मृत्यु ने परमेश्वर के साथ क्षमा, पवित्रता और पुनः संबंध की राह खोली।

इसे आप ऐसे समझ सकते हैं: जैसे एक मछली पकड़ने वाला मछली को पकड़ता है। मछली के लिए मृत्यु पीड़ादायक होती है, लेकिन मछुआरे के लिए वह बड़ी खुशी का कारण है। इसी तरह यीशु की मृत्यु उनके लिए दर्दनाक थी, लेकिन उसने हमें बड़ी खुशी और स्वतंत्रता दी। उनका बलिदान हमारी मुक्ति है, और उनके बिना हम अभी भी अपने पापों में कैद होते। उनके रक्त का बहना ही वह एकमात्र रास्ता था जिससे हमारे पाप क्षमा हो सके, जैसा कि इब्रानियों 9:22 (ERV-HI) में लिखा है:

करफ्राइटाग (शुभ शुक्रवार) क्या है? और इसे ‘करफ्राइटाग’
क्यों कहा जाता है?

“और बिना रक्त बहाए, कोई क्षमा नहीं होती।”

इसलिए इसे ‘करफ्राइटाग’ कहना पूरी तरह उचित है।

क्या करफ्राइटाग पर मांस खाना छोड़ना एक आज्ञा है?
उत्तर है: नहीं। करफ्राइटाग पर मांस त्यागना कई ईसाइयों, खासकर कैथोलिकों की परंपरा है, लेकिन बाइबिल में इसका कोई आदेश नहीं है। कैथोलिक इस दिन मसीह के बलिदान का सम्मान करने के लिए मांस नहीं खाते क्योंकि मांस को एक तरह की विलासिता माना जाता है। यह परंपरा राख बुधवार और व्रत के अन्य शुक्रवारों पर भी होती है।

लेकिन यह ज़रूरी है कि बाइबिल में कहीं भी मांस त्यागने का आदेश नहीं है। जो मांस खाते हैं वे पापी नहीं हैं; जो त्यागते हैं वे भी पापी नहीं हैं। यह व्यक्तिगत विश्वास और परंपरा का मामला है, पवित्र शास्त्र की मांग नहीं।

क्या करफ्राइटाग मनाना पाप है?
यहाँ भी उत्तर है: नहीं। बाइबिल किसी खास दिन को प्रभु के सम्मान में मनाने या नमनाने का आदेश नहीं देती। यह हर व्यक्ति की अपनी मर्जी है।

करफ्राइटाग (शुभ शुक्रवार) क्या है? और इसे ‘करफ्राइटाग’
क्यों कहा जाता है?

पौलुस रोमियों 14:5-6 (ERV-HI) में लिखते हैं:

“कोई एक दिन को दूसरे से बढ़कर समझता है, और कोई सब दिन बराबर समझता है। हर कोई अपने मन में पूरी तरह निश्चिंत हो। जो दिन
का ध्यान रखता है वह प्रभु के लिए रखता है। जो खाता है वह
प्रभु के लिए खाता है, क्योंकि वह परमेश्वर को धन्यवाद देता
है। जो नहीं खाता वह भी प्रभु के लिए करता है और परमेश्वर को धन्यवाद देता है।”

यह दर्शाता है कि करफ्राइटाग जैसे दिन का पालन व्यक्तिगत फैसला है। यदि आपको इसे मनाने की इच्छा नहीं है, तो आप न मनाएं और न ही दूसरों को इस कारण दोष दें। यदि आप इसे मनाते हैं, तो दूसरों को दोष न दें।

इसी तरह, ईस्टर के व्रत का पालन करना भी जरूरी नहीं है। जो व्रत नहीं करते वे पापी नहीं हैं, जो करते हैं वे अपने मन से करते हैं और उनके लिए दोषी नहीं हैं। महत्वपूर्ण यह है कि हर कोई अपने दिल में पूरी तरह निश्चिंत हो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

करफ्राइटाग (शुभ शुक्रवार) क्या है? और इसे ‘करफ्राइटाग’ क्यों कहा जाता है?

GROUP….

Share on:
WhatsApp